



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डब्ल्यू.बी.-अ.-04062025-263605
CG-WB-E-04062025-263605

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2419]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 3, 2025/ज्येष्ठ 13, 1947

No. 2419]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 3, 2025/JYAISTHA 13, 1947

वस्त्र मंत्रालय

(पटसन आयुक्त का कार्यालय)

आदेश

कोलकाता, 26 मई, 2025

का.आ. 2478(अ).— यह मेसर्स दक्ष जूट एलएलपी के खिलाफ संदर्भ संख्या पटसन(टी)-6/1/178/हाफेड/-2017-आई(ई) दिनांक 22 मई 2025 के तहत सुनवाई नोटिस के अनुसरण में है; जिसके खिलाफ तत्काल मामले की सुनवाई आज दोपहर 03.30 बजे निर्धारित की गई थी।

तत्पश्चात, दिनांक 26.05.2025 के पत्र क्रमांक पटसन(टी)-6/1/178/हाफेड/-2017-आई(ई) के तहत, न्यायनिर्णयन प्राधिकारी की अत्यावश्यकता के कारण सुनवाई को दोपहर 12:30 बजे तक स्थगित कर दिया गया।

कथित मिल कंपनी ने जवाब दिया और दोपहर 01:00 बजे न्यायनिर्णयन प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित हुए।

विभाग का नेतृत्व उप पटसन आयुक्त श्री नीरज कुल्हरि एवं श्री एस दत्ता (सहायक निदेशक, जेएम) और श्री एस चटर्जी (विधि अधिकारी) ने भी किया और कथित जूट मिल कंपनी का प्रतिनिधित्व श्री मुकुल मोहन माल (निदेशक/भागीदार) ने किया।

सभी प्रतिभागियों की उपस्थिति रिकॉर्ड में दर्ज की जाती है।

विभाग द्वारा लगाया गया आरोप यह है कि मिल कंपनी कथित रूप से नीली धारीदार थैलियों के साथ मिश्रित लाल धारीदार थैलियों की आपूर्ति करते हुए पाया गया है और यह बात हाल ही में 27.02.2025 को प्राप्तकर्ता के अंत पर किए

गए संयुक्त निरीक्षण में सामने आई है, जो प्राप्तकर्ता (यानी हैफेड) द्वारा कथित जूट मिल द्वारा की गई आपूर्ति के खिलाफ दर्ज की गई शिकायत के जवाब में दिनांक 17.12.2024 के PCSO संख्या HRHFR171224DJL35117 के तहत आयोजित की गई है।

संगत नियम के तहत संयुक्त निरीक्षण 27.02.2025 को किया गया। उक्त संयुक्त निरीक्षण में यह पाया गया कि कथित मिल कंपनी ने नीली धारीदार थैलियों के साथ लाल धारीदार थैलियों की आपूर्ति की है।

विभाग ने संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट न्यायनिर्णयन प्राधिकारी के समक्ष रखी गई जिसे रिकार्ड में दर्ज कर लिया गया है।

श्री मुकुल मोहन माल कथित जूट मिल कंपनी की ओर से पेश हुए और प्रथम दृष्टया स्वीकार किया कि संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है। हालांकि, उन्होंने तर्क दिया और एक सहायक वीडियो ग्राफिक प्रस्तुत किया कि संयुक्त निरीक्षण अंधेरे में प्राप्तकर्ता के अंत में आयोजित किया गया है और संयुक्त निरीक्षण के निष्कर्ष, बैगों के रंग कोड तक सीमित (यानी लाल या नीले के बीच अंतर करना), भ्रामक हो सकते हैं। अपने तर्कों को संपुष्टि के लिए उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जूट मिल कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि ने संयुक्त निरीक्षण के दौरान मौके पर ही विरोध स्वरूप संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट में अपने तर्क प्रस्तुत किए थे। संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट दिनांक 27.02.2025 की एक प्रति रिकार्ड में रखी गई है।

उन्होंने यह भी तर्क दिया कि संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट में गांठों से छेड़छाड़ का कोई सबूत नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जूट के बैग की गुणवत्ता के बारे में कोई शिकायत नहीं है और इस तरह, जानबूझकर अनुचित व्यवहार करने का आरोप निराधार है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई गलत (रंग) कोड वाला बैग भेजा जाता है, तो यह अनजाने में होता है और ऐसे बैगों को मिलाने में कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा या जानबूझकर प्रयास नहीं होता है।

इसके अलावा, श्री माल ने तर्क दिया कि अतीत में उनकी जूट मिल कंपनी द्वारा अनुचित व्यवहार करने का कोई उदाहरण दर्ज नहीं है। तदनुसार, जूट मिल कंपनी की ओर से उन्होंने प्राप्तकर्ता के अंत पर कोई भी या सभी दोषपूर्ण बैगों को बदलने का अवसर दिए जाने की प्रार्थना की।

कथित जूट मिल कंपनी द्वारा प्रस्तुत किए गए तर्कों का विरोध करते हुए, विभाग ने पटसन एवं पटसन बन्ध नियंत्रण आदेश 2016 के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार उत्तर देने वाले प्रतिवादियों के खिलाफ दंड की मांग की, क्योंकि उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया है।

मैंने सभी पक्षों की बात विस्तार से सुनी है।

कथित मिल कंपनी को आदेश दिया जाता है कि वह इस आदेश के जारी होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर प्राप्तकर्ता के पास पड़ी ऐसी कोई या सभी दोषपूर्ण गांठों को अपने जोखिम और लागत पर बदल दें और प्राप्तकर्ता द्वारा सामग्री स्वीकार किए जाने के दस्तावेजी प्रमाण सहित अन्य 7 दिनों के भीतर विभाग को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ऐसा न करने पर कथित जूट मिल कंपनी से संबंधित भुगतान के लिए लंबित बिलों से अस्वीकृत गांठों के समतुल्य लागत की आवश्यक वसूली विभाग द्वारा शुरू की जानी चाहिए।

कथित मिल कंपनी को भविष्य में किसी भी अनजाने/जानबूझकर की गई विसंगतियों से सावधान रहने की चेतावनी दी गई है, जिनसे सख्ती से निपटा जाएगा।

मैंने संबंधित पक्षों को सुना है और अपने निष्कर्षों को तर्कसंगत क्रम में ऊपर उल्लेखित किया है।

पक्षों को तदनुसार कार्य करने का आदेश दिया जाता है।

मामला निपटा दिया गया है।

इस आदेश को सभी पक्षों को तत्काल परिचालित किया जाए।

[फा. सं. जूट(टी)-6/1/178/जीएन(19)/2019-I(ई)]

मलय चंदन चक्रवर्ती, पटसन आयुक्त

MINISTRY OF TEXTILES
(Office of the Jute Commissioner)

ORDER

Kolkata, the 26th May, 2025

S.O. 2478(E).—This is pursuant to the hearing notice against M/s Daaksh Jute LLP. under Ref No. Jute(T)-6/1/178/HAFED/2017-I(E) dated 22nd May 2025, today hearing of the instant matter was scheduled on 03:30 PM.

Subsequently, vide letter under Ref No. Jute(T)-6/1/178/HAFED/2017-I(E) dated 26.05.2025 the hearing was proposed to 12:30 PM due to exigency of the adjudicating authority.

The alleged mill company reciprocated and appeared before adjudicating authority at 01:00 PM.

The department was led by Sh. Neeraj Kulhari, Dy. Jute Commissioner and was also represented by Sh. S. Datta (Assistant Director, JM) and Sh. S. Chatterjee (Law Officer) and the alleged mill company was represented by Sh. Mukul Mohan Mall (Director/Partner).

The attendance of all the participants is taken on record.

The allegation levelled by the department is that the mill company has been found to be allegedly mixing Red striped bags mixed with Blue striped bags, and the same has surfaced in a recently held joint inspection at the consignee end on 27.02.2025, which has been held in response to a complaint lodged by the consignee (i.e. HAFED) against supplies made by the alleged jute mill vide PCSO No. HRHFR171224DJL35117 dated 17.12.2024.

JI in terms of statute was conducted on 27.02.2025. In the said JI, it was discovered that the alleged mill company has supplied Red striped bags mixed with Blue striped bags.

It is needless to mention that the stripes in the manufactured B-Twill bags are as per BIS standard.

The department placed JI report in front of the adjudicating authority which is taken on record.

Sh. Mukul Mohan Mall appearing on behalf of the alleged mill company and prima facie admits as it levelled in the JI report. However, he argued and submitted a supporting video graphic representation that the Joint Inspection has been held at the consignee end in darkness, and the findings of the joint inspection, limited to colour coding of the bags (i.e. differentiating between Red or Blue) may be misleading in the darkness. To substantiate his submissions he also mentioned that the authorised representative of the jute mill company had pointed out the same on the spot during the course of the JI by making his submissions in the JI report as a mark of protest. A copy of the JI report dated 27.02.2025 is kept on record.

He also argued that there is no reported evidence of bale tampering in the JI report. Further, he submits that there is neither any complaint regarding the quality of the jute bags, and as such, the allegation of deliberate commitment of *unfair practices* is unfounded. He however submits that if at all any wrongly (colour) coded bags are sent, the same is unintentional, and there is no mala-fide intention or deliberate attempt in mixing such bags.

Further, Sh. Mall argued that there is no recorded precedence of commitment of unfair practices by his jute mill company in the past. Accordingly, on behalf of the jute mill company he prayed for an opportunity to replace any and all defective bags at the consignee end.

In further opposition to the submissions advanced by the alleged jute mill company, the department pressed for punishment against the answering respondent in terms of the relevant provisions of the Jute & Jute Textiles Control Order, 2016, since there is admission of guilt.

I have heard all the parties in length.

The alleged mill company is ordered to replace any and all defective bales lying at the consignee end at their own risk and cost within 30 days from the date of issue of this order, and submit a compliance report to the department within another 7 days including documentary proof of acceptance of the goods by the consignee, failing which necessary recovery of equivalent cost of rejected bales should be initiated by the department from the pending bills for payment pertaining to the alleged mill company.

The alleged mill company is warned from any unintentional/ intentional anomalies in future which will be strictly dealt with.

I have heard the parties and findings with reasoned order is noted here in above.

The parties are ordered to act accordingly.

The matter is disposed.

Let this Order be circulated to all the parties' forthwith.

[F. No. Jute(T)-6/1/178/GN(19)/2019-I(E)]

MOLOY CHANDAN CHAKRABORTTY, Jute Commissioner